विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय।

वर्ग - अष्टम विषय - हिंदी

शिक्षिका - सरिता कुमारी

दिनांक - 06-06-2020

लगातार श्रम करना ही आपकी सफलता का साथी है, इसलिए श्रम को सकारात्मक बनाएं विनाशक नहीं। श्रम एक अपराधी भी करता है, लेकिन उसका लक्ष्य सिर्फ किसी को नुकसान पहुंचाना या फिर उसकी जान लेना ही होता है।

कोरोनावायरस उसी अपराधिक प्रवृत्ति वाले श्रम का परिणाम है। हमारे देश की संस्कृति परोपकार को उर्वरता देती है। आएं! हम अपनी

जन्मभूमि को अपने कर्म से सींचकर पल्लवित और पुष्पित करें।

इन्हीं बातों के साथ सुप्रभात बच्चों!!!!!!

कल शुक्रवार था ।अपने सी. सी.ए. संबंधी गतिविधियों में भागीदारी दिखाई होगी और अपने आपको तरोताजा कर लिया होगा।इस अंतराल के बाद पुनः मैं आज के अध्ययन सामग्री में 'मंत्र' पाठ के प्रश्नावली की कड़ी के साथ प्रस्तुत हूं।

प्रश्नावली

3. आशय स्पष्ट कीजिए

क. सभी संसार इतना निर्माण इतना कठोर है इसका मर्म बेबी अनुभव अब अब तक ना हुआ था।

ख. मन में प्रतिकार थापर कर्म मन के अधीन था।

ग. भगवान बड़ा कारसाज है।

4. निम्नलिखित उर्दू शब्दों के हिंदी पर्याय लिखें।

किस्मत, गुजरना, वक्त, रोज, शौक, खुद, जहरीला, जमीन, खून, नजर, मिजाज, खाली।

5. नीचे लिखे शब्दों के विलोम लिखिए।

गरीब ,प्रशंसा, विशाल, अंधकार ,सभ्य, आशा, आधार, सज्जन।

6. दिए गए शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए।

यशस्वी, उत्सुक, बुढ़िया, भोली, लाल, करुण।

7. औषध+आलय= औषधालय

आलय लगाकर तीन शब्द बनाइए।

8. निम्नलिखित वाक्यों में कारक चिन्ह लगाकर भेद बताइए।

बुढ़ापे......... विशाल ममता टूटे हुए हृदय...... निकलकर अंधकार.......... आर्तस्वर..... रोने लगी।

कैलाश........... विद्यालय ....गौरव था।जड़ी बूटियों ....पहचानने ....विद्या उस........ एक बूढ़े सपेरे.......... सीखी थी।

रचनात्मक प्रश्न

प्रेमचंद की अन्य कहानियों का नाटक रूप देखकर पढ़े और समझे।

पाठ से जुड़े अभ्यास प्रश्न यहीं समाप्त होते हैं। अगले दिन अध्ययन सामग्री में नए पाठ के साथ मिलते हैं।

धन्यवाद।